

विपश्यना ध्यान शिविर का समापन

■ एनबीटी न्यूज, ग्रेटर नोएडा : कासना स्थित गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी में महात्मा ज्योतिबा फुले ध्यान केंद्र में आयोजित चार दिवसीय विपश्यना ध्यान शिविर का समापन हो गया। इसका मुख्य उद्देश्य विपश्यना के माध्यम से विद्यार्थियों, शिक्षकों और आम लोगों को मानसिक शांति, एकाग्रता के बारे में जानकारी देना था। समारोह में कोरिया से भंते धम्म दीप शामिल रहे। उन्होंने विपश्यना ध्यान की महत्ता और इसके अनुशासन पर प्रकाश डाला। भंते धम्मदीप ने कहा कि विपश्यना केवल एक ध्यान पद्धति नहीं है, यह जीवन को गहराई से समझने और सही दिशा में मार्गदर्शन पाने का साधन है। इस दौरान डॉ. मनीष, सीवी साई, ज्ञान दित्य शाक्य, चंद्रशेखर पासवान, अरविंद सिंह, प्रियदर्शिनी मित्रा शामिल रहे।

विपस्सना, मानव शरीर को मानसिक और शारीरिक आराम प्रदान करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है: मलकानिया

जनता की खोज
शफी मौ० सैफी

ग्रेटर नोएडा। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में स्थित महात्मा जोतिबा फूले ध्यान केन्द्र में चारदिवसीय विपस्सना कार्यशाला का उद्घाटन हुआ।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो.एन.पी. मलकानिया ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि ध्यान, विशेष रूप से विपस्सना, मानव शरीर को मानसिक और शारीरिक आराम प्रदान करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने यह भी बताया कि मानसिक स्वास्थ्य और सन्तुलन प्राप्त करने में विपस्सना का अभ्यास अत्यावश्यक है, जिससे व्यक्ति मानसिक तनाव से मुक्ति पाकर सुख एवं शांति पूर्ण जीवनयापन कर सकता है। कार्यक्रम में विशेष रूप से साऊथ कोरिया से पधारे कोरिया मेडीटेशन टीचर एसोसिएशन के प्रमुख, पूजनीय भन्ते धम्मदीप ने बौद्ध ध्यान साधना के विदेशों में प्रचार-प्रसार की ऐतिहासिक जानकारी साझा की। उन्होंने साऊथ कोरिया में बौद्ध ध्यान केन्द्रों की वर्तमान स्थिति पर भी प्रकाश डाला। भन्ते धम्मदीप ने अपने सम्बोधन में कहा कि विपस्सना का अभ्यास हमें मानसिक विकारों, चिन्ता और तनाव से मुक्ति दिलाने में मदद करता है। उन्होंने उपस्थित सभी प्रतिभागियों को आनापानसति का अभ्यास भी कराया।

विपस्सना कार्यशाला के समन्वयक



एवं बौद्ध अध्ययन के असिस्टेंट प्रोफेसर, डॉ. मनीष मेश्राम ने इस चारदिवसीय कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। उद्घाटन सत्र के दौरान डॉ. चन्द्रशेखर पासवान, डॉ. ज्ञानादित्य शाक्य एवं डॉ. प्रियदर्शिनी मित्रा द्वारा बुद्धमूर्ति के समक्ष पुष्पार्पण और दीप प्रज्वलन किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. अरविन्द कुमार सिंह ने प्रो. मलकानिया का स्वागत किया, जबकि विभागाध्यक्ष डॉ. चिन्ताला वेंकटा सिवासाई ने भन्ते धम्मदीप का स्वागत किया और धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर

पर बौद्ध अध्ययन की शोध छात्रा कविता ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए भन्ते धम्मदीप का परिचय दिया। इस कार्यशाला में देश-विदेश से 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य, छात्र-छात्राएँ, बौद्ध अनुयायी और साधक शामिल थे। कार्यक्रम की सफलता में कन्हैया, सचिन, अजय कुमार, संदीप ढाका, नवनीत मौर्य, निशा भारती, विनय कटारिया, धर्मराज, रेखा सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति द्वारा महत्वपूर्ण योगदान दिया।

विविध गतिविधियां

विपश्यना के अभ्यास से मिलेगा मानसिक आराम



कार्यशाला में भाग लेने वाले प्रतिभागी ● सौ. जीबीवू प्रशासन

जासं, ग्रेटर नोएडा: गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले ध्यान केंद्र में 15 नवंबर से चार दिवसीय विपश्यना कार्यशाला शुरू हुई। मुख्य अतिथि प्रो. एनपी मलकानिया ने कहा कि ध्यान, विशेष रूप से विपश्यना मानव शरीर को मानसिक और शारीरिक आराम प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बताया कि मानसिक स्वास्थ्य और

संतुलन प्राप्त करने में विपश्यना का अभ्यास जरूरी है। साउथ कोरिया के कोरिया मेडिटेशन टीचर एसोसिएशन के प्रमुख भंते धम्मदीप ने कहा कि विपश्यना का अभ्यास हमें मानसिक चिंता और तनाव से मुक्ति दिलाने में मदद करता है। यहां असिस्टेंट प्रो. डा. मनीष मेश्राम, डा. चंद्रशेखर पासवान, डा. ज्ञानादित्य शाक्य, डा. प्रियदर्शिनी मित्रा आदि उपस्थित रहे।

जीबीयू में चार दिवसीय विपस्सना कार्यशाला का शुभारम्भ

ग्रेटर नोएडा, 15 नवम्बर (देशबन्धु)। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में स्थित महात्मा जोतिबा फूले ध्यान केन्द्र में शुक्रवार को चार दिवसीय विपस्सना कार्यशाला का शुभारम्भ हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो. एन.पी. मलकानिया ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि ध्यान, विशेष रूप से विपस्सना, मानव शरीर को मानसिक और शारीरिक आराम प्रदान करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने यह भी बताया कि मानसिक स्वास्थ्य और सन्तुलन प्राप्त करने में विपस्सना का अभ्यास अत्यावश्यक है, जिससे व्यक्ति मानसिक तनाव से मुक्ति पाकर सुख एवं शांति पूर्ण जीवनयापन कर सकता है।

कार्यक्रम में विशेष रूप से साऊथ



कोरिया से पधारे कोरिया मेडीटेशन टीचर एसोसिएशन के प्रमुख, भन्ते धम्मदीप ने बौद्ध ध्यान साधना के विदेशों में प्रचार-प्रसार की ऐतिहासिक जानकारी साझा की। उन्होंने साऊथ कोरिया में बौद्ध ध्यान केन्द्रों की वर्तमान स्थिति पर भी प्रकाश डाला। भन्ते धम्मदीप ने अपने सम्बोधन में कहा कि विपस्सना का अभ्यास हमें मानसिक विकारों, चिन्ता और तनाव से मुक्ति दिलाने में मदद करता है।

जीबीयू में चार दिवसीय विपस्सना कार्यशाला का उद्घाटन

पब्लिक एशिया ब्यूरो

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय » गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में स्थित महात्मा जोतिबा फूले ध्यान केन्द्र में 15 नवम्बर 2024 को चारदिवसीय विपस्सना कार्यशाला का उद्घाटन हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो. एन. पी. मलकानिया ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि ध्यान, विशेष रूप से विपस्सना, मानव शरीर को मानसिक और शारीरिक आराम प्रदान करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने यह भी बताया कि मानसिक स्वास्थ्य और सन्तुलन प्राप्त करने में विपस्सना का अभ्यास अत्यावश्यक है, जिससे व्यक्ति मानसिक तनाव से मुक्ति पाकर सुख एवं शांति पूर्ण जीवनयापन कर सकता है।

कार्यक्रम में विशेष रूप से साऊथ कोरिया से पधारे कोरिया मेडीटेशन टीचर एसोसिएशन के प्रमुख, पूजनीय भन्ते धम्मदीप जी ने बौद्ध ध्यान साधना के विदेशों में प्रचार-प्रसार की ऐतिहासिक जानकारी साझा की। उन्होंने साऊथ कोरिया में बौद्ध ध्यान केन्द्रों की वर्तमान स्थिति पर भी प्रकाश डाला। भन्ते धम्मदीप ने अपने संबोधन में कहा कि विपस्सना का अभ्यास हमें मानसिक विकारों, चिन्ता और तनाव से मुक्ति दिलाने में मदद करता है। उन्होंने उपस्थित सभी प्रतिभागियों को आनापानसति का अभ्यास भी कराया।

विपस्सना कार्यशाला के समन्वयक एवं बौद्ध अध्ययन के असिस्टेंट प्रोफेसर, डॉ. मनीष मेश्राम ने इस चारदिवसीय कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। उद्घाटन सत्र के दौरान डॉ. चन्द्रशेखर पासवान, डॉ. ज्ञानादित्य शाक्य एवं डॉ. प्रियदर्शिनी मित्रा द्वारा बुद्धमूर्ति के समक्ष पुष्पार्पण और दीप प्रज्वलन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. अरविन्द कुमार सिंह ने प्रो. मलकानिया का स्वागत किया, जबकि विभागाध्यक्ष डॉ. चिन्ताला वेंकटा सिवासाई



ने भन्ते धम्मदीप का स्वागत किया और धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर बौद्ध अध्ययन की शोध छात्रा कविता ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए भन्ते धम्मदीप का परिचय दिया। इस कार्यशाला में देश-विदेश से 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें विश्वविद्यालय के संकाय

सदस्य, छात्र-छात्राएँ, बौद्ध अनुयायी और साधक शामिल थे। कार्यक्रम की सफलता में कन्हैया, सचिन, अजय कुमार, संदीप ढाका, नवनीत मौर्य, निशा भारती, विनय कटारिया, धर्मराज, रेखा सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति द्वारा महत्वपूर्ण योगदान दिया।